Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

तीन जमातियों को जांच के बाद किया दून अस्पताल रेफर

तीस लोगों को स्वास्थ्य जांच के बाद घरों में होम क्वारंटाइन किया

चुनौती

संवाददाता

देहरादून। उप जिला चिकित्सालय विकासनगर के चिकित्सकों की टीम ने तीन जमातियों को जांच के बाद दून अस्पताल रेफर कर दिया। तीस लोगों को स्वास्थ्य जांच के बाद घरों में होम क्वारंटाइन किया। चिकित्सकों की टीम ने पहले से क्वारंटाइन किए गए लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई कि कहीं क्वारंटाइन किए गए लोग घरों से बाहर तो नहीं घूम रहे।

बता दें कि होम क्वारंटाइन किए गए लोगों पर नजर रखने के लिए क्षेत्र की आशा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही तहसीलदार आकांक्षा वर्मा भी ऐसे केस पर पूरी निगरानी रख रही हैं। उप जिला चिकित्सालय विकासनगर के चिकित्सकों की टीम ने तीस लोगों की घरों पर जांच कर होम क्वारंटाइन किया। इसके अलावा चार लोग अस्पताल में जांच कराने पहुंचे। जिसमें से तीन जमातियों को जांच के बाद दून अस्पताल रेफर किया गया।

क्वारंटाइन किए गए लोगों के बारे में भी जुटाई जा रही जानकारी

नोडल अधिकारी के अनुसार पहले से घरों व मस्जिदों में क्वारंटाइन किए गए लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है कि कहीं कोई क्वारंटाइन पीरियड में घर से बाहर तो नहीं निकल रहा है। अपील है कि होम क्वारंटाइन में रहने के दौरान घरों से बाहर नहीं निकलें।

अस्पताल के नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप चौहान के अनुसार जिन तीन जमातियों को दून अस्पताल रेफर किया गया है, उनमें कोरोना वायरस के लक्षण तो नहीं मिले। निजामुद्दीन दिल्ली जमात से लौटे जमातियों को अभी ज्यादा समय नहीं हुआ था। इसलिए पूरी जांच के लिए दून अस्पताल रेफर किया गया है।

जंगल में छिपे मजदूरों को पहुंचाया रिलीफ सेंटरः कोरोना संक्रमण के चलते जारी लॉकडाउन में वाहनों का संचालन बंद होने के बाद भी दूरस्थ क्षेत्रों से जंगली रास्तों में बाहरी क्षेत्र के लोगों का अपने घरों की ओर कूच करने की कोशिश जारी है। चमोली जिले की तहसील कर्णप्रयाग क्षेत्र के अंतर्गत रविवार सायं डिम्मर–टटासू मोटर मार्ग से लगे जंगलों में बाहरी मजदूरों के छिपे होने की सूचना राजस्व विभाग को मिलने पर हरकत में आए प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंच मजदूरों से जानकारी लेते हुए उन्हें गौचर में बने रिलीफ सेंटर भेजा।

डिम्मर महिला मंगल दल व युवक मंगल दल को सूचना मिली कि डिम्मर–टटासू मोटर मार्ग से लगे जंगल में कुछ बाहरी लोग छिपे हैं। इस पर प्रधान डिम्मर राखी डिमरी के नेतृत्व में कुछ महिलाएं व युवक मार्ग से लगे जंगल पहुंचे जहां मजदूर अंधेरे में छिपे थे और सभी मजदूरों से जानकारी ली। जंगल में छिपे मजदूर मोरपाल, शिव कुमार, रमेन्द्र व प्रेम लाल ने ग्रामीणों को अवगत कराया कि वे सभी पाखी गरूड गंगा में मजदूरी का काम करते थे और काम बंद होने से अपने घर रायबरेली जंगल के रास्ते जाना चाह रहे थे। सभी भूखे–प्यासे हैं। इस पर गांव वालों ने मजदूरों को पानी व भोजन की व्यवस्था की और प्रधान राखी डिमरी ने क्षेत्र के राजस्व उपनिरीक्षक नीरज पुरोहित को सूचना दूरभाष पर दी। मौके पर पहुंचे राजस्व उपनिरीक्षक नीरज पुरोहित ने बताया कि चारों मजदूरों के आधार कार्ड के आधार पर उन्हें गौचर में बने रिलीफ सेंटर में ठहराया गया है जहां रहने व भोजन की व्यवस्था है।

न्यूज डायरी

मुख्यमंत्री ने शहीद जवान अमित कुमार को रांसी, पौडी में अंतिम सलामी दी

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने जम्मू–कश्मीर में घुसपैठियों के मंसूबों को नाकाम करते हुए शहीद हुए जवान अमित कुमार की पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शहीद जवान अमित कुमार को रांसी, पौडी में अंतिम सलामी दी।

सीएम ने शहीद देवेंद्र सिंह की पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने जम्मू–कश्मीर में घुसपैठियों के मंसूबों को नाकाम करते हुए शहीद हुए जवान देवेंद्र सिंह की पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शहीद देवेंद्र सिंह का पार्थिव शरीर सेना के हेलीकाप्टर से आज गुप्तकाशी लाया गया जहां मुख्यमंत्री ने शहीद जवान को अंतिम सलामी दी। गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत व केदारनाथ विधायक मनोज रावत ने भी शहीद देवेंद्र को श्रद्धांजलि दी, जिसके बाद शहीद का पार्थिव शरीर उनके गांव के लिए सेना के वाहन से ले जाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड वीर जवानों की भूमि है, सरकार शहीद के परिवार के साथ खड़ी है। इस अवसर पर जिलाधिकारी मंगेश घिल्डियाल, पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह , सी एम ओ डॉ एस के झा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बैंक भी संक्रमण की रोकथाम के लिए फिजिकल डिस्टेंस का कर रहें पूरा पालन

संवाददाता

हल्द्वानी। लॉकडाउन के तहत लोगों तक आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में बैंक सेक्टर की भी अहम भूमिका है। हमारे अन्य योद्धाओं की तरह बैंक कर्मचारी भी इस महामारी के दौर में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए लोगों को बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। जिससे कि उपभोक्ताओं को इस मुश्किल दौर में किसी भी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े।

संक्रमण की रोकथाम को लेकर प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई खासा सुविधा ना दिए जाने की वजह से बैंकों ने खुद ही अपनी सुरक्षा का भार उठाया है। पीएनबी मुख्य शाखा हल्द्वानी के मुख्य शाखा प्रबंधक

■बैंकों ने खुद ही अपनी सुरक्षा का भार उठाया

पराग जैन ने बैंक कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिना फेस मास्क बैंक परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है। बैंक के प्रवेश द्वार पर लोगों के हाथों पर सैनिटाइजर लगाने के बाद ही अंदर जाने दिया जा रहा है। इसके अलावा परिसर के अंदर फिजिकल डिस्टेंस का पूरा ध्यान रखते हुए एक समय पर केवल पांच व्यक्तियों को ही बैंक के अंदर जाने दिया जा रहा है।

वहीं जैन ने काउंटर पर काम कर रहे कर्मचारियों और ग्राहकों के बीच दूरी बनाए रखने के लिए काउंटर के आगे रस्सी से घेरा बनाकर फिजिकल डिस्टेंस का पालन कर रहे हैं। जिससे कि बैंक में आने वाले ग्राहकों के साथ ही बैंक सेवा दे रहे कर्मचारियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े।

अन्य बैंकों की तरह केनरा बैंक भी संक्रमण की रोकथाम के लिए फिजिकल डिस्टेंस का पूरा पालन कर रहा है। बैंक परिसर के अंदर ग्राहकों के बीच उचित दूरी बनाए रखने के लिए एक एक मीटर की दूरी पर सर्किल बनाकर ग्राहकों को लाइन में खड़े रहने की जगह चिन्हित कर दी है। वहीं अन्य बैंकों की तरह यहां भी एक समय में चार से पांच लोगों को ही बैंक परिसर के अंदर प्रवेश करने दिया जा रहा है। जिससे कि संक्रमण का खतरा कम बना रहे हैं।

पद्ममश्री निर्मल खालसा ने हल्द्वानी को दिया था गुरु ग्रंथ साहिब का संदेश

संवाददाता हल्द्वानी। कोरोना वायरस का शिकार हुए पद्मश्री निर्मल सिंह खालसा वर्ष 2009 में हल्द्वानी आए थे। स्वर्ण मंदिर दरबार साहिब अमृतसर के हजूरी रागी रहे निर्मल खालसा को 2008 में तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम प्रतिभा पाटिल ने पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया था।

शहर के प्रमुख कारोबारी वीरेंद्र सिंह चड्ढा ने बताया कि 5 फरवरी 2009 में निर्मल खालसा हल्द्वानी के खालसा नेशनल बालिका इंटर कॉलेज व श्री गुरु तेगबहादुर स्कूल के प्रांगण में सजे कीर्तन दरबार में शरीक हुए थे। उन्होंने दरबार में मौजूद हजारों की संगत को कीर्तन के माध्यम से गुरु ग्रंथ साहिब का संदेश सुनाया था। तब वह वीरेंद्र चड्ढा की आवाज पर रुके थे। चढबने बताया कि नैनीताल घूमने गए ज्ञानी निर्मल खालसा यहां के नैसर्गिक सुंदरता को देख काफी प्रसन्न हुए थे। उन्होंने विश्व के 30 देशों की यात्रा करते हुए गुरु के संदेश को लाखों लोगों तक पहुंचाना। वह कुछ दिन पहले लंदन से लौटे थे और कोरोना संक्रमित होने की जानकारी लगने के बाद गुरुनानक देव अस्पताल अमृतसर में वेंटिलेटर पर थे।